

ইউ.জি.সি-এন.টি.এ নেট ও পশ্চিমবঙ্গ সেট পরীক্ষার

ভারতবর্ষের ইতিহাস

প্রাচীন, মধ্য ও আধুনিক

(প্রাচীনতারিখ থেকে ১৯৬৪ খ্রিস্টাব্দ)

বইটি ভারতবর্ষের ইতিহাসের শ্রেষ্ঠ গবেষণালঞ্চ গ্রন্থ

জগন্নাথ জানা [COMPETITIVE EXAM EXPERT]

বর্ণপরিচয় ইনসিটিউট-এর প্রতিষ্ঠাতা, উপদেষ্টা, মেন্টর ও বিভাগীয় প্রধান, বর্ণপরিচয় পাবলিশার্স-এর মানসপুত্র ও জন্মদাতা, এমপ্লায়মেন্ট
এক্সচেঞ্জ ও রামকৃষ্ণ মিশনের (কম্পিউটিভ ডিভিশন), জেলা অস্থাগার (পশ্চিম মেদিনীপুর), মহকুমা অস্থাগার
(কাটোয়া), -র গেস্ট লেকচারার, সাংগৃহিক কর্মসংস্থতি পত্রিকার প্রাবন্ধিক,
আই.এ.এস. ও ড্রু.বি.সি.এস., নেট ও সেট এবং স্কুল সার্টিফিকেশন
সহ অন্যান্য পরীক্ষার স্বনামধন্য প্রশিক্ষক,
গবেষক ও ইন্টারভিউ বিশেষজ্ঞ।

বর্ণপরিচয় পাবলিশার্স

(কম্পিউটিভ দুনিয়ায় হীরের খনি)

৪০, বেনিয়াটোলা স্ট্রীট, শোভাবাজার

কলকাতা - ৭০০ ০০৫

সেলস কাউন্টার : ২৮ বিধান সরণি কলকাতা ৭০০ ০০৬

যোগাযোগ : ৯৯০৩২০৯০৮০ / ৮১০০৯৫৭৮০৭

॥ प्राचीन भारतवर्षे आगत श्रीक ऋषिगणकार्त्ती—११४-११५, ॥ एकनजरेन वेद—११३, ॥ एक नजरेन वेद ओ प्रश्न—११४-११९, ॥ जैन धर्म—१२०-१२१, ॥ जैन संघ ओ साहित्य—१२१, ॥ वर्तमान उत्तिष्ठाय अवस्थित उदयगिरि ओ खण्डगिरि श्रहाण्डलिन अंकित आलोचना ओ प्रश्न—१२४-१२७, ॥ बौद्ध धर्म—१२८, ॥ तिरन्त्रु ओ जार्यसत्त—१२९, ॥ बौद्ध सम्मेलन—१३०-१३४, ॥ शूप—१३४-१३५, ॥ चैत्र एवं विहार—१३५-१३६, ॥ ब्राह्मी ओ खरेण्ठी लिपि—१३६, ॥ गौतम बृद्धज्ञान आध्यात्मिक ज्ञान लाभ ओ बृद्ध हमें ओर्ठ—१३६-१३७, ॥ मायानमार, श्रीलक्ष्मा, थाइलंड, डियेतनामा ओ बौद्धधर्म ओ प्रश्न—१३९-१४१, ॥ शोडश महाज्ञनपद ओ मगधेर उथान—१४८-१५०, ॥ मगधेर उथानेर कारण—१५१-१५४, मगधेर नाजधानी—१५४, ॥ जुलू विद्रोह ओ प्रश्न—१५४-१५७, ॥ मौर्य युगेर ब्राह्मी लिपि—१५८, ॥ मौर्य युगेर दास प्रथा, नारीस्वाधीनता ओ निगम—१५८, ॥ मौर्य युगेर खरेण्ठी लिपि—१५९, ॥ मौर्य युगेर शिल्प ओ वर्णप्रथा—१५९, ॥ मौर्यवंश—१६०, ॥ अहिंसा कथार अर्थ—१६०, ॥ मौर्य युग—१६१-१८०, ॥ कुषान युग—१८१-१८३, ॥ गान्धार शिल्प-रीति—१८३-१८४, ॥ कुषान युगेर संस्कृति—१८४-१८५, ॥ नवीन्द्रवाथ ठाकुर ओ तार आदि जीवनीकार—१८५, ॥ नवीन्द्रवाथ ठाकुर ओ तार आदि जीवनीकार—१८५, ॥ स्वामी विवेकानन्द ओ नामकृष्ण परमहंसदेवेर आदर्शे विश्वासी इतिहासविद् रामेशचन्द्र मजूमदार—१८५, ॥ महाजाति सदन—१८५, ॥ प्राचीन भारतेर प्रयुक्तिविद्या—१८६-१९०, ॥ भारते आद्युर्वेद चिकिंसा (पराधीन ओ स्वाधीन भारते)—१९१, ॥ इल्लो-श्रीक—१९२, ॥ श्रेष्ठ इल्लो-ग्रिक नाज्य मिनालार—१९२, ॥ इल्लो-ग्रिक नाज्य-मिनालार—१९२, ॥ भारतीय उपमहादेशेर संजे पारस्येर योगायोग—१९३, ॥ मिनालार ओ 'मिलिन-पञ्चहो' एवं तार नाजधानी ओ प्रश्न—१९३-१९४, ॥ औष्ठ युगेर लिपि—१९५, ॥ समुद्रउष्टेर शासनतात्त्विक कृतित्व—१९५, ॥ वाकाटक लिपि—१९६, ॥ वाकाटक वंश—१९६, ॥ औष्ठ वंश—१९७, ॥ औष्ठयुगेर साहित्यचर्चा—१९७, ॥ भारतीय ज्योतिर्विज्ञानेर ज्ञक वराहमिहिन—१९८, ॥ शिक्षाचर्चा ओ वालन्दा विश्वविद्यालय—१९८-१९९, ॥ श्रीगृह—१९९, ॥ प्रथम चन्द्रउष्ट—२००, ॥ भारतेर नेपोलियान समुद्रउष्ट—२००, ॥ प्रयाग प्रश्निक्ति—२०१, ॥ चम्पू काव्ये ओ एलाहावाद प्रश्निक्ति—२०१, ॥ समुद्रउष्ट—२०१-२०२, ॥ द्वितीय चन्द्रउष्ट—२०२-२०३, ॥ प्रथम कुमारउष्टेर उल्लेखयोग्य शिलालिपि—२०३-२०४, ॥ स्वल्पउष्टेर शिलालिपि—२०४-२०५, ॥ कोनारकेर सूर्य मन्दिरेर प्रभावे बड़ हওয়া নললাল বসু—২০৫, ॥ औष्ठयुगेर धर्म—२०६-२०७, ॥ बाघ ओहा चित्र—२०८, ॥ औष्ठयुगेर नार्ती—२०८, ॥ औष्ठ युগের मुद্রা—२०८-२०९, ॥ औष्ठयुगेर भास्कर्य—२०९, ॥ चित्रकला—२१०, ॥ विभिन्न शैलीर मन्दির—२१०, ॥ खाजूন্নাহো मন্দির—२११, ॥ औष्ठयुगेर शिल्कला ओ वालन्दा विश्वविद्यालय—२११, ॥ तोरमान ओ मिरिन्कुल—२१२, ॥ कृष्ण—२१२, तीर्थयात्रीদের नाज्कुमार—२१२-२१३, ॥ प्राचीन भारतेर सामन्तत्त्व—२१३-२१५, ॥ स्वर्णयुगेर सन्धाने—२१६-२१७, ॥ भारतसভা—२१७, ॥ १९०३ आलের निजले पेपार ओ प्रश्न—२१७-२२४, ॥ प्राचीन भारतेर कृष्ण ओ शिल्पेर परिचय—२२५, ॥ प्राचीन भारतेर धर्म—२२५-२२६, ॥ प्राचीन भारते ज्योतिर्बद्ध प्रथा—२२६, ॥ औष्ठोत्तरयुগে नाजटैन्तिक जैनेक्य ओ बृहृ साम्बाजेन्न अनु पस्तिक्ति—२२७-२२९, ॥ इल्लोनेश्यार प्रथम नाल्टु पति डঃ সুকৰ্ণ ও ভারতের প্রথম মহিলা কমার্শিয়াল পাইলট জ্ঞান শেষী ও বিমান চালক বিজু পট্টনায়ক—২২৯, থানেশ্বরের মুষ্যজূমি বংশ—২৩০, ॥ হর্ষবর্ধন শিলাদিত্য (৬০৬-৬৪৭ খ্রিস্টাব্দে)—২৩০-২৩২, ॥ নীতির পশ্চিত ও वर्तमान शाक्यमूनि-हिउद्योग सांগ—२३२, ॥ हिउद्योग सांगেर विवरण—२३२, ॥ ई४ सिं—२३३, ॥ हर्षवर्धনের परে आধিপत्य प्रतिष्ठान त्रिपाक्षिक संघाम—२३३-२३४, ॥ कয়েকটি নাজবংশ—২৩৪-২৩৫, ॥ हर्षवर्धনের मानुषेर द্বিতীয় জিনিস পত—२३५, ॥ जন एलियाट द্বिक्षण्याटार बेथुन—२३५, ॥ प्रतिहार लिपि—२३६, ॥ प्राचीन भारतेर लिपि—२३६, ॥ और्जন्म-प्रतिहार बংশ—২৩৭-২৩৮, ॥ बैदिक युগেर विभिन्न প্রেণি—২৩৮, ॥ श्वাকং—२३৯, ॥ पाल বংশ—২৪০, ॥ गोपाल (७५०-७७० খ্রিস্টাব্দ) —২৪১, ॥ गोपाल—২৪১, ॥ धर्मपाल (৭৭০-৮১০ খ্রিস্টাব্দ) —২৪১, ॥ देवपाल—২৪২, ॥ कैवर्त विद्रोह—२४२, ॥ पालযुগেर श्रेष्ठ कीर्तি—२४२, ॥ द्वितीय गौतम बृद्ध अतीশ दीपकर श्रीज्ञान ओ समसामयिक शिक्षाकेन्द्र—२४३-२४५, ॥ एकनजरे गोप—२४५, ॥ प्राचीন बাংলা মন্দির সংরক্ষণে—২৪৬, ॥ नामचरित-एवं पুঁথি আবিষ্কারক হরপ্রসাদ পাল যুগ—২৪৬, ॥ प्राचीन बांला भास्त्र-विन् वृत्तिशार खल्जी—२४९-२५१, ॥ प्राचीन बাংलা (वर्तमान पश्चिमবাংলা) ও বাংলাদেশ সম্পর্কে বেশ কিছু ঔপন্তর্পণ তথ্য—২৫১-২৫৩, ॥ ২১শে ফেব্রুয়ারী-জান্ড জ্যোতিক ভাষা দিবস ও বাংলা ভাষা—২৫৩, ॥ बांलाय पाल-सेन आमलेर स्वा पत्त, भास्कर्य, चित्रकला—२५३-२५४, ॥

বজ্ঞান তুমি কোথা হইতে আসিয়াছ—২৫৫-২৫৬, ক্ষমা রবি ভার্মা—২৫৬, ক্ষমা গবী লিপি—২৫৭, ক্ষমা পুত্ৰ
জাতি—২৫৭, ক্ষুটিল লিপি—২৫৮, প্রাচীন ভাস্তৱে মহাজনী কার্যবান্ন—২৫৮, দক্ষিণ ভাস্তৱে
ইতিহাস—২৫৯, পাণ্ডি রাজ্য—২৬০, চের বা কেবল রাজ্য—২৬০, সার্টথবন্নো কমিশন—২৬০,
সাতবাহন বৎশ—২৬১, সাতবাহন যুগের সমাজ ও ধর্ম—২৬২, মালদাশোন্ন প্রশংস্তি—২৬২,
তেলেজ্বানীর কাকাতিয়া রাজবংশের (বামাঙ্গা)—২৬২, চালুক্য বৎশ—২৬৩-২৬৫, মেহেরগড়ের
বাড়িগৱ—২৬৫, হৱশ্বানীর মানুষের খাদ্য—২৬৫, রাষ্ট্রকৃট বৎশ—২৬৬, অজন্তার গুহাচিত্র—২৬৬,
মহারাষ্ট্রে অজন্তা ও ইলোরার গুহাগুলির ইতিবৃত্ত—২৬৭, অজন্তার গুহাগুলি সম্পর্কে ধারণা দেওয়া হল
—২৬৭-২৬৯, ইলোরা—২৬৯, ভাস্তৱীয় শাসকদের দ্বারা অনুরূপিত যজ্ঞ ও অগ্রমেধ যজ্ঞ—২৭০ শুঙ্গ ও
কাশ্মী—২৭১, শুঙ্গ-কাশ্মী আমলের শিল্প—২৭১, শক ও পঞ্চব বৎশ—২৭১, চোল বৎশ—২৭২-২৭৪,
চোল স্থাপত্য ও ভাস্কর্য—২৭৪, চোলদের স্বায়ত্ত্ব শাসন—২৭৫, চোল রাজ্যদের দেখানো পথেই ভাঙ্গন
রোধে পশ্চিমবঙ্গ—২৭৫, পল্লব বৎশ—২৭৬, পল্লব যুগের স্থাপত্য ও ভাস্কর্য—২৭৭, সাঙ্কেরভাট্টের
বিশুম্ভনির ও বেয়নের শিবমন্দির—২৭৮, আর্য যুগের পেশা ও শিল্প—২৭৮, বিভিন্ন মন্দির ও
স্থাপত্য—২৭৯-২৮১, বিভিন্ন ঘন্টা—২৮২, প্রশংসন—২৮৩-২৯৬।

सूलतानि युग

3-80

॥ সুলতানী যুগের রাজধানী—১, ॥ মধ্যযুগীয় বৃচিত বিভিন্ন ঘন্টসমূহ-এবং বিবরণ—১-২, ॥ কবিদের
রাজকুমার—আমীর খসড়—২, ॥ ইচন বতুতা—৩, ॥ অবিবাহিত প্রিতিহাসিক আবদুল্লাহ মালিক মহম্মদ
ইসামী—৪, ॥ জিয়াউদ্দিন বারবী—৪-৫, ॥ আলবেক্সনী—৫, ॥ মিনহাজউদ্দিন সিরাজ—৫, ॥ মার্কোপোলো—৬,
॥ সুলেমান—৬, ॥ আবুবের হেরোডোটাস-আলমাসুদি—৬, ॥ ইতিহাসের আঙ্গিক কর্ণাটক—৬,
॥ চন্দ্রকেতুগড়—৭, ॥ মধ্যযুগে সভীদার প্রথা বৃদ্ধি—৭, ॥ প্রশ্ন—৮-৯, ॥ দাস বৎশ—১০, ॥ ইলতুৎমিস
(১২১১-১২৩৬)—১১-১২, ॥ নাজিম্বা (১২৩৬-১২৪০)—১২, ॥ বলবন (১২৬৬-১২৮৬)—১৩, ॥ ইতিহাসে উল্লিখিত
কাহেকার্টি শব্দ ও অর্থ—১৩, ॥ প্রশ্ন—১৪-১৫, ॥ খলজি বৎশ (১২৯০-১৩২০)—১৬-১৮, ॥ এক বজরে বাঙালি
চিকিৎসকগণ—১৮, ॥ প্রশ্ন—১৯-২০, ॥ তুঘলক বৎশ (১৩২০-১৪১৪ খ্রিঃ)—২১-২৪, ॥ অজনান ধন্বন্তরী—২৪,
॥ ভয় পাবেন না—নিজেকে শক্ত কর্মসূত্র—২৪, ॥ প্রশ্ন—২৫-২৬, ॥ সৈয়দ বৎশ (১৪১৪-১৪৫১)—২৭,
॥ চান্দমিনার—২৭, ॥ লোদী বৎশ (১৪৫১-১৫২৬)—২৮-২৯, ॥ ইতিহাস ধ্যাত ব্যক্তিগত তাঁদের ঘোড়ার নাম—২৯,
॥ বৈদিক যুগের বিভিন্ন দেবদেৱী—২৯, ॥ প্রশ্ন—৩০, ॥ ইলিয়াস শাহী বৎশ (১৩৪২-১৪১৪)—৩১-৩২, ॥ এক
টাকায় স্লটলেক—৩২, ॥ হোসেনশাহী বৎশ (১৪৯৩-১৫০৮)—৩৩, ॥ সুলতানি যুগের স্বাপত্য—৩৪, ॥
প্রশ্ন—৩৫, ॥ সুলতানি যুগের সাহিত্য—৩৬, ॥ প্রশ্ন—৩৭-৩৮, ॥ সুলতানি যুগের সজীত—৩৯, ॥ উড়িষ্যার
জগন্নাথ মতবাদ—৩৯-৪০, ॥ পূর্ব ভারতে বৈষ্ণব আনন্দোলন—৪০-৪১, ॥ মুঘল যুগে সাহিত্য সভা—৪১, ॥ ইঙ্গ
ব্যবস্থা—৪২-৪৩, ॥ সুলতানি যুগের ওয়াকদারি ব্যবস্থা—৪৩, ॥ আইনস্টাইন ও তাঁর ড্রাইভার—৪৩, ॥ সুলতানি
যুগের মুদ্রা ব্যবস্থা—৪৪, ॥ সুলতানি যুগের বগন্নায়ণ—৪৪, ॥ সুলতানি যুগের শিল্প ও প্রযুক্তি—৪৫, ॥ বজীর
সাহিত্য পরিষদ—৪৬, ॥ গঙ্গ-ই-শক্তি—৪৬, ॥ সুলতানি যুগে দক্ষিণ ভারতে বাণিজ্য ও বগন্নায়ণ—৪৭,
তুজুক-ই-বাবুরী—৪৮, ॥ বিজয়নগর (১৩০৬-১৩৫২)—৪৮-৪৯, ॥ সংস্কৰণ বৎশ (১৩০৬-১৪৮৬)—৪৯-৫০,
সুলভ বৎশ (১৪৮৬-১৫০৫)—৫১, ॥ তুলুভ বৎশ (১৫০৫-১৫১০)—৫১, ॥ আন্ধিতু বৎশ (১৫১০-১৫১২)—৫২,
বিজয়নগরের বিভিন্ন দিক—৫২-৫৪, ॥ সাঁওতাল বিদ্রোহের সঙ্গে যুক্ত পাঁচকাথিয়া বট শুক কেন স্মরণীয়?—৫৪,
সাঁওতাল বিদ্রোহের সাথে যুক্ত দু'জন মহিলা—৫৪, ॥ বিদেশী পর্যটকদের চোখে বিজয়নগর—৫৫, ॥
তুজুক-ই-বাবুরীতে উল্লিখিত কিছু গুরুত্বপূর্ণ তথ্য—৫৬, ॥ প্রশ্ন—৫৭-৫৮, ॥ অজনান শেষশার—৫৯, ॥ বাহমনি
রাজ্য (১৩৪৭-১৫০৮)—৬০-৬১, ॥ কোরিন্টুন হীনা—৬১, ॥ প্রশ্ন—৬২-৬৯, ॥ সুলতানি সাম্রাজ্য হইতে উদ্ভূত
স্বাধীন রাজ্যসমূহ—৭০, ॥ দিল্লীর লাল কেল্লায় প্রথম ট্রায়ালে ও দ্বিতীয় ট্রায়ালে যাদের বিচার চলেছিল—৭০,
টমসন পরিকল্পনা—৭৩, ॥ দক্ষিণ ভারতের স্বাধীন রাজ্যসমূহ—৭৪-৭৫, ॥ মান্দাওয়াড়—৭৫, ॥ উড়িষ্যার
ব্যবস্থা—৭৬, ॥ ফন্ডওয়ার্ড কুক দল ও সুভাষ চন্দ্র বসু—৭৭, ॥ ১৯০১ সালে শিক্ষা সম্মেলন—৭৭, ॥ ঠাকুর
পরিবার—৭৮-৮০

ମୁଘଲାନି ଓ ମୁଘଲ ଯୁଗେ ଆଗତ ଈଉରୋପୀଆ ପର୍ଯ୍ୟଟକଗଣ—୧-୫, ମୁଘଲ ରିପାବଲିକାନ—୫, ଲାଲା ହରଦୟାଳ—୫, କିଛୁ କଥା—୫, ମୁଘଲ ବଂଶ- ପରିଚୟ—୫, ମୁଘଲ ଯୁଗେର ରାଜଧାନୀ—୫, ଭାଗ୍ୟାଦ୍ରେଷ୍ମୀ ବାବର—୬-୭, ବାଂଲାର ଶିଵାଜୀ ଉତ୍ସବ—୭, ରାଜନାନାଯକ ବସୁ—୭, ପ୍ରମ୍ଭ—୮-୯, ସମସ୍ୟାର ଅଙ୍ଗାନ ଓ ହତଭାଗ୍ୟ ହମାଯୁନ—୧୦, ପ୍ରମ୍ଭ—୧୧, ଆଫଗାନ କେଶବୀ ଶେନ୍ଶାହ—୧୨-୧୫, ମିନି ପତ୍ରିସ ଚନ୍ଦ୍ରନଗର—୧୫, ଉତ୍ତର କଲକାତାର ନିଜ ସ୍ଟିଟ୍‌ଟେର ଚୈତନ୍ୟ ଲାଇସ୍‌ରି—୧୫, ଇନ୍ଦ୍ରିଯା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କେ ଲେଖା ଜ୍ଞାନପାତ୍ରାଳାଲ ନେହେରୁଙ୍କ ଟିର୍ଟି—୧୫, ମହାମତୀ ଆକବର—୧୫-୧୮, ଆକବରର ନବରତ୍ନ (Nine Gems or Navaratnas) ରାଜସଭାର ବ୍ୟକ୍ତିଗ୍ରା—୧୮-୧୯, ମନସ୍ୱଦାନୀ ପ୍ରଥା—୧୯-୨୨, ମେଡିକେଲ କଲେଜେର ଆଗ୍ରାତ ତଥ୍—୨୨, ପ୍ରମ୍ଭ—୨୩-୨୬, ଉଦ୍ଦାସୀ ସ୍ତ୍ରୀଟ ଜାହାଙ୍ଗୀର—୨୭-୨୮, ତ ପଶିଲୀ ସମସ୍ତଦାୟଭୁକ୍ତ ଦଲିତ ଜ୍ଞାତିର ମଧ୍ୟେ ଅନ୍ୟତମ—୨୮, ପ୍ରମ୍ଭ—୨୯-୩୦, ତ ପଶିଲୀ ସମସ୍ତଦାୟଭୁକ୍ତ ଦଲିତ ଜ୍ଞାତିର ମଧ୍ୟେ ଅନ୍ୟତମ—୩୧-୩୨, ଶାହଜହାନର ଭୀତକାଳେ ଉତ୍ତରାଧିକାରେର ଯୁଦ୍ଧ—୩୨-୩୩, ପ୍ରମ୍ଭ—୩୪-୩୫, ନିତକିରିତ ଓ ବୀଣାବାଦକ ସ୍ତ୍ରୀଟ ଔରଙ୍ଗଜେବ—୩୬-୩୭, ମୁଘଲ ଯୁଗେର ଜାଠ, ଅନ୍ତନାମୀ, ଆଫଗାନ ଓ ଶିଖବିଦ୍ରୋହ—୩୮-୩୯, ପ୍ରମ୍ଭ—୪୦, ପରବତୀ ମୋଗଲ ସ୍ତ୍ରୀଟଗଣ—୪୧, ପରବତୀ ମୁଘଲ ସ୍ତ୍ରୀଟଦେର ସଂକ୍ଷିପ୍ତ ପରିଚୟ (୧୭୦୭-୧୮୫୮ ପ୍ରିସ୍ଟାବ୍ସ)—୪୧, ପରବତୀ ମୁଘଲ ଯୁଗେର ଶାସକଦେର ସମସାମ୍ବିକ କିଛୁ ଘଟନା (୧୭୦୭-୧୮୫୭ ପ୍ରିସ୍ଟାବ୍ସ)—୪୨-୪୩, ମଧ୍ୟୟୁଗେର କାର୍ପାସ-ବନ୍ଦ ବଦନ—୪୪, ମୁଘଲ ଯୁଗେର ବଦନ ଶିଳ୍ପ—୪୫, ଇନକିଲାବ ଜିଲ୍ଲାବାଦ ବା ଲାଂ ଲିଭ ନେବିଲିଉରିଶନ ସ୍ଲୋଗାନ—୪୫, ଜୁଡ଼ିଥ ମାର୍ଗାରେଟ ବ୍ରାଉନ—୪୫, ବୀରମିଂହ ହାମ—୪୫, ମୁଦ୍ରାର ଟାକସାଲ—୪୬, ମୁଘଲଯୁଗେ ମୁଦ୍ରାବ୍ୟବସ୍ଥା—୪୬, ଆକବରର ମୁଦ୍ରାବ୍ୟବସ୍ଥା—୪୬-୪୭, ଜାହାଙ୍ଗୀରେର ମୁଦ୍ରା—୪୭-୪୮, ପ୍ରାଚୀନ, ମଧ୍ୟୟୁଗ ଓ ଆଧୁନିକ ଭାବତେର ମୁଦ୍ରା ବ୍ୟବସ୍ଥା—୪୮-୪୯, ଆଧୁନିକ ଭାବତେର ନିର୍ମାତା ଜ୍ଞାନପାତ୍ରାଳାଲ—୪୯, ମୁଘଲଯୁଗେ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ବ୍ୟବସ୍ଥା—୫୦, ମୁଘଲ ଯୁଗେର ସମସ୍ତଦାୟ—୫୧, ମୁଘଲ ଯୁଗେର ବାଣିଜ—୫୧, ପର୍ତ୍ତଗିର୍ଜ ବାଣିକ ସମସ୍ତଦାୟ—୫୧, ଓଲଲାଜ ବାଣିକ ସମସ୍ତଦାୟ—୫୧, ମୁଘଲ ଯୁଗେର ଜାଯାଗୀରଦାନୀ ବ୍ୟବସ୍ଥା—୫୨, ମୋଗଲ ଚିତ୍ରଶିଳ୍ପେର ଅନୁଗାତିତେ ହମାଯୁନ, ଆକବର ଓ ଜାହାଙ୍ଗୀରେର ଅବଦାନ ଆଲୋଚନା କରୋ—୫୨-୫୩, ଏକନଜନେ କିଛୁ ଶ୍ରଦ୍ଧାର୍ଥପୂର୍ଣ୍ଣ ତଥ୍—୫୪-୫୫, ରାଣୀ ରାମମଣି ଓ ଶ୍ରୀରାମକୃଷ୍ଣର ଚିକିତ୍ସକ—ମହେଦୁଲାଲ ସନ୍ତକାର—୫୫, ବୈଦିକ ସାହିତ୍ୟ—୫୫, ବୈଦେଶିକ ଆକମଣ—୫୬, ଅଷ୍ଟାଦଶ ଶତକେ ମୋଘଲ ଦନ୍ତବାରେ ପ୍ରଧାନ ଗୋଟିଏ—୫୭, ମୁଘଲ ଯୁଗେର ସାହିତ୍ୟ—୫୭-୫୮, ମୁଘଲ ଯୁଗେର ସ୍ଵାପତ୍ର ଶିଳ୍ପ—୫୮-୫୯, ମୁଘଲ ଯୁଗେର କନ୍ଦେକଜନ ପରିଚୟ—୬୦, ବଦାଓନି—୬୧-୬୨, ଆବ୍ଦୁଲ ହାମିଦ ଲାହୋରୀ (୧୫୯୬-୧୬୫୫)—୬୨, ଛାମ୍ବୋଦ୍ଧା ବାର୍ଣ୍ଣଯେର (୧୬୨୦, ୨୫ ସେପ୍ଟେମ୍ବର-୧୬୮୮, ୨୨ ସେପ୍ଟେମ୍ବର)—୬୨-୬୪, କନ୍ଦେକଟି ଶହରେ ଇତିକଥା—୬୫-୬୬, ରାଜଧାନୀ—୬୬, ଶିଵାଜୀ ଭୋବେଲ (୧୬୧୪-୧୬୮୦ ପ୍ରିସ୍ଟାବ୍ସ)—୬୭-୬୮, ଇ୯ ସି୯—୬୮, ବେଜି/ବୋଜ୍ ଶିଳ୍ପ କଳା—୬୮, ପ୍ରମ୍ଭ—୬୯-୭୬, ବାଂଲାର ବାନ୍ଦୁଇନ୍ଦ୍ରାଦେର ସମ୍ପର୍କେ ସଂକ୍ଷିପ୍ତ ବର୍ଣ୍ଣନା ଦାଓ—୭୧-୭୨, ମାହେଶ୍ୱର ରଥ—୭୨, ମୋଗଲ ଆମଲେର କୃଷକଦେର କ୍ଷମତା—୮୦-୮୧, ମଧ୍ୟୟୁଗେର ଭାବତବର୍ଷେ ବିଜ୍ଞାନ-ପ୍ରୟୁକ୍ତି ସମ୍ପର୍କିତ ବେଶ କିଛୁ ଶ୍ରଦ୍ଧାର୍ଥପୂର୍ଣ୍ଣ ତଥ୍—୮୧, ବାଂଲାର ରାଜଧାନୀ (ପ୍ରାଚୀନ)—୮୧, ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ରାଜଧାନୀ—୮୧, ଭକ୍ତିବାଦ ଆମ୍ବଲନେର ସାଧକବର୍ଗଗଣ—୮୨-୮୫, ପୁଣୀର ଜଗନ୍ନାଥ ଦେବେର ମନ୍ଦିର—୮୫, ସୁଫିଯାଦ—୮୬-୮୭, ରାନାକୁଟ୍ଟର ଜୟକୁଟ୍ଟ ବା ଟାଓଯାର ଅବ ଭିକ୍ଷି—୮୭, କୀର୍ତ୍ତି କୁଟ୍ଟ ବା ଟାଓଯାର ଅବ ହେମ—୮୭, ପ୍ରମ୍ଭ—୮୮-୯୬, ଅଷ୍ଟାଦଶ ଶତାବ୍ଦୀର ଭାବତ—୯୨-୯୪, ଅଜମାନାର ସନ୍ଧାନେ—୯୪, ଇତିହାସେର ଅନୁଵାଦ ପ୍ରମ୍ଭ—୯୫, ଉଲ୍ଟାନୋଲୋଟ—୯୫, ଇମାର୍ଟ୍‌ବୁକ୍ସ୍ ମେଡେଵିଲ ଇନ୍ଡିଆ—୯୬

କୋମ୍ପାନିର ଭାବତ

୧-୧୨୦

ଇଂରେଜ କୋମ୍ପାନିର ଆମଲେ ସାଂବିଧାନିକ ଅନୁଗାତି—୧, ବୋର୍ଡ ଅଫ କର୍ନ୍ଯୋଲ-ଏର ସଭା ପତି ଓ ତାଦେର ସମୟକାଳ—୧-୩, ଧର୍ମବିଦ୍ୟାର ପାଠ୍ୟକାରୀ ପାଠ୍ୟକାରୀ—୩, ବୈଦିତଶାସନ ବ୍ୟବସ୍ଥା—୪, ଶାହଜହାନର କନ୍ୟା ଜାହାଙ୍ଗାନ୍ନା—୪, କୋମ୍ପାନିର ଆମଲେର ଗଭର୍ନର୍ ଓ ଗଭର୍ନର୍ ଜେନୋରେଲ—୫, ମୀନକାଶିମ ଓ ଡ୍ୟାମ୍‌ପାର୍ଟ୍-ଏର ମଧ୍ୟେ ସହିତ—୫, ଧର୍ମବିଦ୍ୟାର ପାଠ୍ୟକାରୀ ପାଠ୍ୟକାରୀ—୬-୭, ଓ୍ଯାରେନ ହେସ୍ଟିଂସ-ଏର ମିଭିନ୍

॥ पांचात्य शिक्षार विभाग—१०३-१०८, ॥ भारत सरकारेव शिक्षाविषयक प्रक्षेप १९६३—१०८-१०६, ॥ शिक्षा विषयक कठकप्रलि ग्रन्तपूर्ण कमिशन—१०६-१०७, ॥ हाट ग कमिटिव रिपोर्ट—१०७, ॥ साथौ कमिटिव रिपोर्ट—१०७, ॥ १९३५ सालेव भारत शासन आईन ओ शिक्षा संस्कार—१०७-१०९, ॥ १९४४ सालेव सार्जेन्ट परिकल्पना—१०९-११०, ॥ भारतीय विश्वविद्यालय कमिशन वा वाधाकृष्णन कमिशन—११०-१११, ॥ मुदालियार शिक्षाकमिशन वा सेकेडारी एडुकेशन कमिशन—१११, ॥ कोर्टारि कमिशन—१११, ॥ प्रथम भारतीय शिक्षा कमिशन—१११, ॥ १९४२ सालेव ६२ जानूयारि दिनटिव ताँ पर्य—१११, ॥ केन्द्रीय शिक्षामन्त्रीदेव समयकालेव किछु संक्षिप्त आलोचना—११२, ॥ मुघल युगेर उत्तराधिकारी द्वन्द्व—११२, ॥ प्रम—११३-११४, ॥ ट्रिटिश भारतेव प्रथम यिश्वारि कलजे ओ रेभारेंड मे—११४, ॥ Famine Commissions—११५, ॥ Economic Committee / Commissions—११५, ॥ Administrative Committees / Commissions—११६, ॥ ग्रन्तगोविल सिं—११६, ॥ वांला गदेव विकाशे फोर्ट उईलियाम कलजेर लेखकगोर्णीर अवदान—११७, ॥ मादार टेरेजा—११७, ॥ भारतेव होमिओप्याथि टिकिंसा—रङ्गित सिं ओ राजेन्द्रलाल दत—११७, ॥ पदार्थविज्ञानेव प्रथम डैरेट पूर्णिमा सेवण्णु—११८, ॥ साहित्यक चित्रज्ञन दास—११८, ॥ जगदीशचन्द्र वसु ओ भगीनि निवेदिता एवं सारा बुल—११८-११९, ॥ भारतेव स्वाधीनतार समसामयिक वेशकिछु राष्ट्रनेतादेव नाम—११९, ॥ मिर्जा गालिब—११९, ॥ तुजुक-ई-जाहाजीरि—११९, ॥ नाथपन्नी आलोलन ओ नाथ साहित्य—१२०, ॥ महाराष्ट्रे वारकरी आलोलन ओ विठोवा उपासना—१२०.

आधुनिक भारत

१-३५६

॥ जन गण मन गानटिव प्रतिटि शब्देर अर्थ वीचे वयाखा कवा हल—१, ॥ जातीय संगीत (National Song) वल्दमातरम—२, ॥ १९४७ साले १५े आगस्ट कार्ना भारतीय पार्लामेन्टे द्वैतकर्त्ते जनगनमन गान ओ वल्दमातरम गान गेयेछिलेन?—२, ॥ जातीय झोत (National Anthem) जनगणमन—३, ॥ भारतेव जातीय पताकार इतिहास—३, ॥ जातीय पताकार आदर्श आकार ओ व्यवहारविधि—५, ॥ २४ दण्डेर अर्थ—५, ॥ सिपाही विद्रोहेर प्रवर्ती संविधानिक अद्वागति—६, ॥ भारत सचिव (Indian Secretary)—६, ॥ १९१९ सालेव भारत शासन आईन—७, ॥ १९३५ सालेव भारत शासन आईन—८, ॥ रावीकृतनाथ ठाकुर ओ सुकुमार नाय—९, ॥ सर्वभारतीय वेतार केन्द्र ओ ओस्ताद विश्वमिलाह खान—९, ॥ १९१९ सालेव भारत शासन आईनेव भित्तिते गडे ओठा उच्च कक्ष राज्य परिषद (Council of States) —१०, ॥ १९१९ सालेव भारत शासन आईनेव भित्तिते गडे ओठा निस्त्र कक्ष केन्द्रीय आईन परिषद (Central Legislative Assembly)—१०, ॥ १९१९ सालेव भारत शासन आईनेव भित्तिते गडे ओठा प्रादेशिक आईन परिषदेव गर्त्त (Composition of the Provincial Legislative Council) —११, ॥ १९३५ सालेव भारत शासन आईनेव भित्तिते गडे ओठा राज्य परिषद (Council of States) 1935 —१२, ॥ हलओयेल मुडमेन्ट —१२, ॥ प्रस्टिटिउशन अयांक्ट—१२, ॥ १९३५ सालेव भारत शासन आईनेव भित्तिते गडे ओठा युक्तराष्ट्रीय आईनसभा (House of Assembly, 1935) —१३, ॥ ट्रिटिश भारतेव भाइसरय ओ गडवर्न जेनारेल—१४, ॥ क्यामिं हाउस ओ हेरिटेज—१५, ॥ पिता ओ पूर्त-कलकाता विश्वविद्यालयेव उपाचार्य—१५, ॥ भारतेव भाइसरय—१७, ॥ कलकाता चिडियाथाना ओ रामब्रह्म सानयाल—१७, ॥ महात्मा मुनिसाम (१८५६-१९२६)—१९, ॥ दार्जिलिं एव टम्प ट्रेन वनाम रिपन—२१, ॥ India Gate (Delhi) —२३, ॥ न्याले कमिशन—२४, ॥ सुरेन्द्रनाथ वयानाजी—२४, ॥ अनुशीलन समिति (१८९९-१९०५, कार्जनेव आमले)—२४, ॥ महाराष्ट्रे गृष्ण समितिव इतिहास (कार्जनेव आमले) —२५, ॥ विनायक दामोदर आभारकर—२५, ॥ भारतेव प्रथम शहीद—२६, ॥ वांला द्वितीय गृष्ण समिति—२७, ॥ मित्र इनस्टिउशन—२७, ॥ इंग्रिया हाईज—२७, ॥ वञ्जभज—२७, ॥ Governors of Bengal (1912-1947) —२९, ॥ संसद उवन—२२, ॥ रावीकृतसेतु वा हाओडा ट्रीज—३५, ॥ १९४३ सालेव दुर्भिक्ष वा १३५० वजासेव दुर्भिक्ष—३६, ॥ मार्ट्टेव्याटेन—३८, ॥ स्वाधीन भारतेव गडवर्न जेनारेल—३९, ॥ इतिहासेव वरेण्य सन्तान—४०-६५, ॥ निजले पेपार—६५, ॥ ठंगी ओ डाकाति विभाग एवं आजकेव मि.आई.डि विभाग—६५, ॥ उनिश शतकेव धर्मीय आलोलन—६६-६८, ॥ विभिन्न ग्रन्तपूर्ण प्रतिक्षान (धर्मीय ओ राज्यवित्क) —६८, ॥ केशव चन्द्र सेव—७०, ॥ केशवचन्द्र र समसामयिक वांला, महाराष्ट्रे, पाञ्चावे धर्म आलोलन—७१, ॥ रामानन्द चट्टोपाध्याय—७२,

■ Erasmus of Young India রাজম্ব রামমোহন রায় (১৭৭২-১৮৩০ খ্রিস্টাব্দ) — ৭২, ই বিদ্যাসাগর ও সমসাময়িক বিষয়া বিচার আন্দোলন — ৭৩-৭৫, ই বিদ্যাসাগর বই নিকেতা/বিদ্যাবণিক — ৭৬, ই উপেক্ষকিশোর রায়চৌধুরী ও U. Ray & Sons — ৭৬, ই দ্বিশতবর্ষে বিদ্যাসাগর — ৭৬, ই এক যে ছিল বিদ্যাসাগর — ৭৭, ই বিদ্যাসাগর — ৭৭, ই সংস্কারকরণে মহাদেব গোবিন্দ রানাডে ও পার্শ্বদের অবদান — ৭৮, ই রামকৃষ্ণ পরমহংসদেব — ৭৮, ই বরতারত গঠনে স্থামী বিবেকানন্দ — ৭৯, ই সংস্কার আন্দোলন ও দেবেন্দ্রনাথ ঠাকুর — ৮০, ই সংস্কার আন্দোলন ও দয়ানন্দ সন্ততি — ৮০-৮১, ই কঢ়ের পার্থি ডিরোজিও — ৮১, ই মার্গারেট এলিজাবেথ নোবেল — ৮১, ই সত্যসাধক আন্দোলন ও জ্যোতিরাও ফুলে — ৮১-৮২, ই সাংবিধানিক দলিল আন্দোলন ও আন্দোলন — ৮২, ই ইতিয়ান জ্যামোসিয়েশন ফর দ্য কালাটিভেশন অব সায়েন্সের গবেষকগণ — ৮৩, ই Social and Religious Movement — ৮৪-৮৯, ই আলিগড় আন্দোলন — ৯০, ই আলিগড় আন্দোলনের সমসাময়িক মুসলিম ধর্ম ও সমাজ সংস্কারক আন্দোলন — ৯০, ই ভারতের বিভিন্ন আঞ্চলিক ভাষার সাহিত্যের বিকাশ — ৯১, ই মুঝি প্রেমচন্দ (১৮৮০-১৯৩৬) হিন্দী সাহিত্যের দিকপাল লেখক — ৯১, ই বসুবিজ্ঞান মন্দির, বীলরতন সরকার এবং রাধাগোবিন্দ (১৮৮০-১৯৩৬) হিন্দী সাহিত্যের দিকপাল লেখক — ৯১, ই সতীদাহৰ প্রথার পরিসংখ্যান — ৯৩, ই ডেল্টার প্রয়ার কর — ৯২, ই থিয়োসফিক্যাল আন্দোলন — ৯৩, ই সতীদাহৰ প্রথার পরিসংখ্যান — ৯৩-৯৪, ই পরাধীন ও স্বাধীন ভারতের শিক্ষার বি.ক্রি.ঃ — ৯৩, ই উনবিংশ ও বিংশ শতাব্দীতে বেশ কিছু সংগঠন — ৯৪-৯৫, ই পরাধীন ও স্বাধীন ভারতের শিক্ষার অধিকার আইনের ইতিহাস — ৯৫, ই Political Institution Established before Congress ৯৬-৯৭, ই পত্-পত্ৰিকা (Papers) ৯৮-১০০, ই পঞ্চানন কর্মকাৰ — ১০০, ই অক্ষয়কুমাৰ দত্ত তত্ত্ববোধনী পত্ৰিকা — ১০০, ই সংবাদপত্ৰ ও বইপত্ৰে অক্ষয় কুমাৰ দত্ত — ১০১, ই জেমস অগাস্টাস হিকি — ১০১, ই হিকিৰ বেঙ্গল গেজেট — ১০১, ই সম্মানক ও পৱন বিষিঙ্গ আইন — ১০০, ই জেমস অগাস্টাস হিকি — ১০১, ই শিশিৱকুমাৰ ঘোষ — ১০২, ই শিশিৱকুমাৰ বসু — ১০২, অক্ষয় কুমাৰ দত্ত — ১০১, ই মতিলাল ঘোষ — ১০১, ই শিশিৱকুমাৰ ঘোষ — ১০২, ই সাংবাদিক সুৱেদ্বনাথ কেশবচন্দ্ৰ সেন — ১০২, ই ক্ৰষ্ণচান্দ্ৰ উ পাধ্যায় — ১০২-১০৩, ই সাংবাদিক সুৱেদ্বনাথ কেশবচন্দ্ৰ সেন — ১০২, ই রূবিন্দ্ৰনাথ ঠাকুৱ — ১০৪, ই হৱিনাথ মুখ্যোপাধ্যায় বা কাঞ্চল হৱিনাথ — ১০৪-১০৫, ই বন্দোপাধ্যায় — ১০৩-১০৪, ই রূবিন্দ্ৰনাথ ঠাকুৱ — ১০৪, ই সত্যেন্দ্ৰনাথ মজুমদাৰ — ১০৫-১০৬, ই বিবেকানন্দ ধীৱেন্দ্ৰনাথ সেন — ১০৫, ই অমল হোম — ১০৫, ই সত্যেন্দ্ৰনাথ মজুমদাৰ — ১০৫-১০৬, ই বিবেকানন্দ মুখ্যোপাধ্যায় — ১০৬, ই চান্দুৱি — ১০৬-১০৭, ই সাংবাদিক সোমনাথ লাহিড়ী — ১০৭, ই সাংবাদিক সমৰ সাংবাদিক বাণী চান্দুৱি — ১০৭-১০৭, ই সাংবাদিক সোমনাথ লাহিড়ী — ১০৭, ই সাংবাদিক সমৰ সাংবাদিক বাণী চান্দুৱি — ১০৭-১০৭, ই সৌমিলাৰ্থ মুখ্যার্জি — ১০৮, ই সৌমিলাৰ্থ মুখ্যার্জি — ১০৮-১০৯, ই সৌমিলাৰ্থ মুখ্যার্জি — ১০৯-১১০, ই প্ৰথম বাণালি মেলায়াটী — রামমোহন রায় — ১১০, ই সংবাদপত্ৰে স্বাধীনতা রামমোহন রায় — ১১০-১১১, ই প্ৰথম বাণালি মেলায়াটী — ১১০-১১১, ই সাংবাদিক সোমনাথ লাহিড়ী — ১১১, ই সাংবাদিক সোমনাথ লাহিড়ী — ১১১-১১১, ই তিলক সম্পর্কে প্ৰশিক্ষণ বাবা রঞ্চায় — ১১০, ই সাংবাদিক বালগজ্যাধন তিলক (১৮৫৬-১৯৩০) — ১১১-১১২, ই তিলক সম্পর্কে প্ৰশিক্ষণ বাবা রঞ্চায় — ১১০, ই সাংবাদিক বালগজ্যাধন তিলক (১৮৫৬-১৯৩০) — ১১১-১১২, ই হিন্দু পেট্ৰিয়ট সংবাদ মঞ্চব্য কৱেছেন — ১১২, ই সাংবাদিক সন্মুখে হৱিশচন্দ্ৰ মুখ্যার্জি (১৮২৪-১৮৬১) — ১১২, ই হিন্দু পেট্ৰিয়ট সংবাদ মঞ্চব্য কৱেছেন — ১১২, ই সাংবাদিক সন্মুখে হৱিশচন্দ্ৰ পাল — ১১৩, ই সাংবাদিক সন্মুখে মহাত্মা গান্ধী — ১১৪-১১৬, প্ৰকাশিত হল — ১১২, ই সাংবাদিক সন্মুখে বিপিনচন্দ্ৰ পাল — ১১৩, ই সাংবাদিক সন্মুখে মহাত্মা গান্ধী — ১১৪-১১৬, সাংবাদিক ও সম্পাদক হিসাবে রামানন্দ চট্টোপাধ্যায় (১৮৬৫-১৯৪৩) — ১১৬-১১৭, ই সাংবাদিক হিসাবে সাংবাদিক ও সম্পাদক হিসাবে রামানন্দ চট্টোপাধ্যায় (১৮৬৫-১৯৪৩) — ১১৭-১১৮, ই সুভাষচন্দ্ৰ বসু — ১১৭, সাংবাদিকতায় তাঁৰ অবদান হল — ১১৭, ই সাংবাদিকতায় ঈশ্বৰচন্দ্ৰ ঔপ্ত — ১১৭-১১৮, ই সাংবাদিক কার্ল মার্কস — ১১৮-১১৯, ই সাংবাদিক ও সম্পাদক সত্যৱেশন বক্সী — ১১৯, ই সাংবাদিক বাণেন্দ্ৰনাথ ঔপ্ত (১৮৬১-১৯৪০) — ১১৯, ই অনিল ভট্টাচার্য — ১১৯, ই প্ৰশান্ত সন্মুখ — ১১৯-১২১, ই পত্-পত্ৰিকা ও সংবাদপত্ৰ — ১২১-১২১, ই সংবাদ সংস্থা (News Agency) — ১২১-১৩০, ই ভারতেৰ মুখ্য দৈনিক সংবাদপত্ৰ — ১৩০-১৩৩, ই ভারতেৰ প্ৰথম সংবাদ সংস্থা — ১৩৩, ই হিন্দী প্ৰকাশনা ও দলিত সমস্যা — ১৩৩-১৩৪, ই শশীপদ ব্যানার্জি — ১৩৪, ই কয়েকটি ঐতিহাসিক সংবাদপত্ৰ ও তাৰ সম্পাদক — ১৩৫, ই Development of Press in Modern India — ১৩৬-১৩৯, ই Telegraph war সিপাহী বিদ্রোহ A National Uprising — ১৪০-১৪১, ই লক্ষ্মীবাঁই — ১৪১-১৪৪, ই সিপাহী বিদ্রোহ সম্পর্কে কিছু অজ্ঞান তথ্য — ১৪৪, ই প্ৰশ্ন — ১৪৫-১৪৮, ই জাতীয় কংগ্ৰেস — ১৪৯, ই শুন্তমুৰ্ণ কয়েকটি কংগ্ৰেস অধিবেশনেৰ সাল, স্থান ও সভাপতিৰ নাম — ১৫০-১৫৩, ই জেনে রাখা ভালো — ১৫৪, ই একনজৰে কংগ্ৰেস — ১৫৫, ই ভারতেৰ জাতীয় কংগ্ৰেস ও কৃষক — ১৫৫-১৫৭, ই ভারতেৰ জাতীয় কংগ্ৰেস ও শ্ৰমিক — ১৫৭-১৫৯, ই মোবেলে মনোনিত ভারতীয়গণ — ১৫৯, ই বাণালীৰ প্ৰিয় খাদ্য মৎস্য ও লড় ল্যাঙ্গড়াউন — ১৫৯, ই প্ৰশ্ন — ১৬০-১৬৮, ই বঙ্গভঙ্গ — ১৬১-১৭০, ই স্বদেশি ও বয়কট আন্দোলনেৰ পূৰ্বে ও পৱনভূক্তিকালে বাংলা তথ্য ভারতে শিক্ষা ও অন্যান্য কিছু বিষয়ক আন্দোলন — ১৭১, ই স্বদেশী শিল্প — ১৭১-১৭৩, ই স্বদেশী শিল্পেৰ সামাজিক ও শ্ৰেণিগত উৎস — ১৭৩-১৭৫, ই রঞ্জনীকান্ত সেন ও বঙ্গভঙ্গ — ১৭৫, ই বঙ্গভঙ্গেৰ সময় কিছু গান — ১৭৫, ই উন সোসাইটিৰ

সংক্ষিপ্ত ইতিহাস—১৭৫-১৭৬, ই নাট্য ব্যক্তিক্রি—১৭৬-১৮০, শিশির কুমার ভাদ্রাড়ি—১৮০-১৮৬, রবীন্দ্রনাথ ও বাংলার থিয়েটার—১৮৬-১৮২, চলচিত্র চর্চা—১৮৩-১৮৪, গুপ্তিবেশিক ভারতের খেলাধূলা—১৮৪-১৮৬, প্রশ্ন—১৮৭-১৮৮, বাংলা, ভারত ও ভারতের বাইরে বিপ্লবী আন্দোলন—১৮৯, ভারতের ইতিহাসে কয়েকটি গুরুত্বপূর্ণ শক্তিশক্ত মামলা—১৯০-১৯৫, ইতিহাসে স্ফুরিন্নাম বসুর অবদান—১৯৫, ইতিহাসে সত্যেন বসু ও কানাইলাল দত্তের অবদান—১৯৬-২২০, সূর্য সেনের সহযোগী কল্পনা দত্ত—২২০-২২১, নজরুললের বিদ্রোহী কবিতার শতবর্ষ—২২১, সূর্য সেনের বৈপ্লবিক পরিকল্পনা—২২১, রামপ্রসাদ বিসমিল—২২২, পাঞ্জাবে গদর পর্বীদের বিপ্লবী কর্মতৎ পরতা—২২২-২২৩, প্রশ্ন—২২৪-২৩০, বিভিন্ন গুরুত্বপূর্ণ উপনাম—২৩১, কিছু সত্ত্বেও গুরুত্বপূর্ণ ঘন্টা ও তাদের লেখক—২৩২, শিক্ষা বিষয়ক কিছু গুরুত্বপূর্ণ শব্দের পুরো অর্থ—২৩৩, রামকৃষ্ণ মিশন—২৩৩, বাংলা ও ভারতের বাবীশিক্ষা ও অবদান—২৩৪-২৩৬, বাল্যবিধবা থেকে চিকিৎসক—২৩৬-২৩৭, বেগম নোকেয়া (১৮৮০, ৯ ডিসেম্বর, বাংলাদেশের রংপুর—১৯৩২, ৯ ডিসেম্বর, কলকাতা)—২৩৭, রন কমিটি—২৩৭, মিলেনিয়াম হিরো গান্ধীজী—২৩৮-২৪৩, জাতীয় শিক্ষা পরিষদ—২৪৩, সাইদাপেট কৃষি বিশ্ববিদ্যালয়—২৪৩, নাটী সংগৰ্ঠন—২৪৩, অসহযোগ আন্দোলন (১৯২০-২২)—২৪৪-২৫০, গান্ধীজীর দক্ষিণ আফ্রিকার কর্মকাণ্ড—২৫০, গান্ধীজীর ভারতের কর্মকাণ্ড—২৫০, অসহযোগ—খিলাফ্ত আন্দোলন ও সমসাময়িক ভারত—২৫১-২৫৩, ব্রিটিশদের বিরুদ্ধে মুসলিম সমাজের প্রতিক্রিয়া ও খিলাফ্ত কমিটি গঠন ও দাবি—২৫৩-২৫৪, ২০১৯ সালের ২ অক্টোবর (গান্ধীজীর জন্মের ১৫০ বছর)—২৫৪-২৫৭, সাইমন কমিশন, নেহেরু নিপোর্ট ও পূর্ণ স্বরাজ—২৫৭-২৬১, বেঙ্গল টেকনিক্যাল ইনসিটিউট—২৬১, দ্বিতীয় বিশ্বযুদ্ধের প্রথম ভারতের কৃষক আন্দোলন—২৬১, মৌর রাজনীতি ও ইউনিয়ন বোর্ড রাজনীতি—২৬২-২৬৪, আইন অমান্য আন্দোলন—২৬৫, ডাক্তি মার্চ বা লবণ সত্যাগ্রহ বা লবণ মার্চ বা ডাক্তি সত্যাগ্রহ—২৬৫-২৬৯, পুণা চুক্তি ও তার ফলাফল—২৬৯, ১৯৩৭ সালের সাধারণ নির্বাচন—২৭০, ক্ষমতায় কংগ্রেস প্রাদেশিক মন্ত্রীসভাগুলির কাজকর্ম—২৭০-২৭২, জীবনের কর্মান্বাদ—২৭২, কুরুক্ষ ইঞ্জিনিয়ারিং কলেজ—২৭২, রামগড় অধিবেশন—২৭৩, কংগ্রেস সোস্যালিস্ট পার্টি—২৭৩, সত্যাগ্রহ আন্দোলন—২৭৪, ভারত ছাড়ো আন্দোলন—২৭৪-২৭৫, ভারত ছাড়ো আন্দোলনের ব্যাপ্তি—২৭৫, অনুরণ আসফ আলি/অনুরণ গান্ধুলি/কুলসুম জামানি—২৭৬, সার্পশতবর্ষে মাতঙ্গীনি হাজরা—২৭৬, শিক্ষা ও ধর্মীয় আঙ্গনায় গান্ধীজী—২৭৬, প্রশ্ন—২৭৭-৩০৬, হোমরঞ্জল আন্দোলন—৩০৭, দ্বিতীয় গোলটেক্সিল বৈঠকে ব্রিটিশদের মনোনীত সদস্য বেগম শাহওয়াজ—৩০৭, প্রশ্ন—৩০৮, ভারতবর্ষের কৃষক আন্দোলন—৩০৯, মেডিকেল কলেজ ও তাদের মোটো—৩১০, প্রশ্ন—৩১১-৩১২, ১৯৪৬-এর নেই বিদ্রোহ—৩১৩, কলকাতা বিশ্ববিদ্যালয় ও যাদব পুর বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রতিষ্ঠাতা স্যার তারকনাথ পালিত—৩১৪, সুভাষ চন্দ্র বসু—৩১৫-৩২০, আই.সি.এস. পদত্যাগকান্তী ও হরি পুরা অধিবেশনের সভাপতি সুভাষ চন্দ্র বসু—৩২০-৩২১, সুভাষচন্দ্র বসুর বিভিন্ন গুরুত্বপূর্ণ কাজ—৩২১, জমিন নেতৃত্বে সুভাষ চন্দ্র বসু—৩২১-৩২২, নেতৃত্বের মৃত্যু সংবাদ কেব পাঁচ দিন পর প্রকাশিত হয়েছিল?—৩২২-৩২৩, জায়দ হিন্দ ফ্রোজ—৩২৩-৩২৫, ভারতের বাস্তিল (সেলুলার জেল) ও জপান (আমামান) নামে পরিচিত আলামান নিকোবর দ্বীপপুঞ্জ—৩২৫, মেঘনাদ সাহা, সুভাষচন্দ্র বসু এবং রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর—৩২৬-৩২৯, খাদ্য স্মিক নেতৃত্বে—৩২৯-৩৩০, The anthem of Azad Hind Government—৩৩০, বিশ্বকবি রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর—৩৩০-৩৩১, সুভাষচন্দ্র বসু—৩৩১, সিমলা—৩৩১-৩৩২, AITUC ও অন্যান্য নামপর্ণী দল—৩৩২, কলকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রথম মুসলিম ফ্যাজুয়েট—আহমেদ মির্জা দেলোয়ার হোসেন—৩৩২, ঢাকার নবাবগণ—৩৩২, প্রশ্ন—৩৩৩-৩৪৪, বামপন্থী আদর্শ শ্রমিক সংগৰ্ঠন, সমাজতাঙ্গিক আদর্শ—৩৪৫-৩৪৭, শতবর্ষে ভারতের কমিউনিস্ট পার্টি (সি.পি.আই)—৩৪৭-৩৪৮, ১৯২০ সালে প্রতিষ্ঠিত নির্ধিল ভারত ট্রেড ইউনিয়ন কংগ্রেসের সভাপতি ও সাধারণ সম্পাদকের তালিকা—৩৪৯, প্রশ্ন—৩৫০, মুসলিম লীগ প্রতিষ্ঠান ইতিহাস—৩৫১-৩৫২, মহম্মদ আল জিন্না—৩৫২, প্রশ্ন—৩৫৩-৩৫৪, চিপকো আন্দোলনের জনক ও হিমালয়ের রক্ষক সুলুরলাল বহুগনা—৩৫৫-৩৫৬, একনজরে মার্টেন্ট এভারেস্ট ও অন্যান্য গুরুত্বপূর্ণ তথ্য—৩৫৬, ভূদান আন্দোলন বা ল্যাণ্ড গিফ্ট মুফ্ফমেন্ট—৩৫৬, মহাত্মা ও জীবন্নাম কালীদাস শার্সী—৩৫৬,

ବେହେର୍ତ୍ତର ଦୁଇ ଦଶକ (୧୯୪୭-୧୯୬୪ ଖ୍ରିସ୍ଟାବ୍ଦ) — ୩୫୯-୩୬୧, ବ୍ୟାଧିନିତାର ପରବତୀ ଦେଶୀଆ ରାଜ୍ୟଗୁଲିର ସଂୟୁକ୍ତିକରଣ—୩୬୧-୩୬୨, ବ୍ୟାଧି ଅନ୍ତର୍ଭାବିତି—୩୬୨, ଭାଷା ଆନ୍ଦୋଳନ—୩୬୨-୩୬୩, ପାଞ୍ଜାବ—୩୬୩, ଜନ୍ମ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟାନ୍ଵିତି—୩୬୩-୩୬୯, ହାୟଦ୍ରାବାଦ ଓ ଜୁନାଗଢ—୩୭୦, ଉପନିବେଶେର ଭାରତଭୁକ୍ତି—୩୭୦-୩୭୧, ଉଦ୍ଭାସ ସମସ୍ୟା—୩୭୧, ଆୟୁଜ୍ଞୀନି ଓ ସୃତିକଥାର ଦେଶଭାଗ—୩୭୧-୩୭୨, ଅନ୍ତର୍ଭାବିତାକାଲୀନ ସରକାର—୩୭୨, ପ୍ରକ୍ଷାବନା ଓ ଗଣପରିଷଦ—୩୭୩-୩୭୪, ପାର୍ଲାମେଣ୍ଟ ବା ସଂସଦ—୩୭୫, ଲୋକସଭା—୩୭୪-୩୭୫, ରାଜ୍ୟସଭା—୩୭୬, ନାରୀ ଇତିହାସ—୩୭୬, ସିଲେଟ—୩୭୬, ଅର୍ଥନୈତିକ ପରିକଳ୍ପନା ଓ ବ୍ୟାଧିନିତାର ଦୁଇ ଦଶକ—୩୭୭, ପ୍ରଥମ ପଞ୍ଚବାର୍ଷିକୀ ପରିକଳ୍ପନା—୩୭୮-୩୭୯, ଦ୍ୱିତୀୟ ପଞ୍ଚବାର୍ଷିକୀ ପରିକଳ୍ପନା—୩୭୯-୩୮୦, Indian Science Congress Association—୩୮୦-୩୮୧, ଯଦୁନାଥ ସରକାର ଓ ରାଜୀନାଥ ଠାକୁର—୩୮୧-୩୮୨, List Governors and Chief Ministers—୩୮୩-୩୮୪, ପ୍ରଥ୍ୟାତ କବି ରଜନୀକାନ୍ତ ମେନ—୩୮୪-୩୮୫, ଇତିହାସ କଥା—୩୮୬ ପାଟନାର ଗୋଲଘର—୩୮୬, ପନ୍ଦାଧୀନ ଭାରତେ ବିଜ୍ଞାନଚର୍ଚା ଓ ପ୍ରୟୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା—୩୮୭, ବ୍ୟାଧିନିତାର ପରବତୀକାଳେ ଆଧୁନିକ ପ୍ରୟୁକ୍ତିବିଦ୍ୟାର ପ୍ରସାର—୩୮୭-୩୯୦, ଫାଦାର ଅନ୍ତର୍ଭାବିତା ଏହ୍ୟାନଫେର୍ସ—୩୯୦, ପ୍ରଶାନ୍ତ ଚନ୍ଦ୍ର ମହାଲନାନୀଶ—୩୯୧, ଭାରତେର ଅନ୍ତର୍ଭାବିତ ଗବେଷଣାର ଜନକ ଡଃ ବିକ୍ରମ ଆସ୍ତାଲାଲ ସାହାଭାଇ ଓ ଭାରତେର ମହାକାଶ ଗବେଷଣା ପରିବାର—୩୯୧, ସଂସଦେ ଠାରେଠୋରେ ଏଇଭାବେଇ ପରିମାଣକେ ଆକ୍ରମଣ କରନ୍ତେବେ ଜୀବବିଜ୍ଞାନର ମେଧନାଦ ସାହା—୩୯୧-୩୯୨, ରାଜୀନାଥ ଠାକୁରର ଛବି ତୁଳେଛିଲେନ ମୁସୋଲିନି କବିର ପ୍ରଶଂସା ଆଦାୟ କରେ ନିଜେର ଭାବମୂଳୀ ପାକା କରାଇ ଛିଲ ଏକନାମକେର ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ—୩୯୨-୩୯୪, ରାଜୀନାଥର ଦାଁଜେ ଚିକିତ୍ସା କରନ୍ତେବେ ଡା. ରାଫିଉଦ୍ଦିନ ଆହମେଦ—୩୯୪, �IMPORTANT BOOKS MODERN INDIA—୩୯୫-୩୯୬, ଚିକିତ୍ସା କରନ୍ତେବେ ଡା. ରାଫିଉଦ୍ଦିନ ଆହମେଦ—୩୯୪, ପର ଜାତୀୟ ଆଯୋଜନ ଗତିବିଧି—ବିଭିନ୍ନ ଅନୁମାନ ଓ ଇତିହାସ ସ୍ମୀକୃତ ଉତ୍କିଳ—୩୯୭-୪୦୦, ୧୯୫୮ ସାଲେର ପର ଜାତୀୟ ଆଯୋଜନ ଗତିବିଧି—ବିଭିନ୍ନ ଅନୁମାନ ଓ ପରିମାପ—୪୦୧-୪୦୨, ଆସ୍ତାଜ୍ୟବାଦୀ ଅର୍ଥନୀତିର ସମାଲୋଚନା ଓ ରମେଶ୍ୟଚନ୍ଦ୍ର ଦତ୍ତ—୪୦୨-୪୦୩, ଦାଦନିପ୍ରଥା ଓ ଶୁଳ୍କନୀତି—୪୦୫, ଜେଲାଶାସକ ବର୍ଜିମଚନ୍ଦ୍ର ଚଟ୍ଟୋପାଧ୍ୟାୟ—୪୦୫, ପ୍ରକ୍ଷାପ—୪୦୬-୪୦୭, ଉଲ୍ଲେଖଯୋଗ୍ୟ ସାଲ ଓ ମୁଟ୍ଟା—୪୦୮-୪୧୫, ଆମାଦେର ବ୍ୟାଧିନିତା କେବ ପରାମର୍ଶ ମଧ୍ୟରାତେ—୪୧୬, ମିହିର ମେନ—୪୧୬।